# सन्दर्भ ग्रन्थ सूची


* गुप्ता एन.एल. :– 'राजस्थान में कृषि विकास' राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपरु 1985.
* कॉपरेटिव मूवमेंट इन :– 'स्टेटिस्टीकल सैक्सन, कॉपरेटिव डिपार्टमेन्ट, राजस्थान, जयपुर 1976–77, 1982–83
* स्टेटिस्टीकल एब्सटैक्ट :– आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान,जयपुर
* प्रगति विवरण :–राजस्थान राज्य भण्डार व्यवस्था निगम, 1986
* आर.के.गुर्जर :– 'इरीगेशन फार एग्रीकल्चर माइनाइजेशन' साइन्सीटिफिक पब्लिसर्स, जोधपुर, 1987
* टी.एस.चौहान :– 'कृषि भूगोल' एकेडमिक पब्लिसर्स, जयपुर, 1987
* सिंह, जसवीर :– 'एन. एग्रीकल्चर ज्योग्राफी ऑफ हरियाणा' विशाल पब्लिकेशन –दिल्ली, 1975
* मौधे, बसंत जैन एवं शान्ति विजय :– 'राजस्थान में कृषि उत्पादन' राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
* सिंह, भ्रज भूषण (1979) :– 'कृषि भूगोल' तारा पब्लिकेशन्स, वाराणसी
* शर्मा, बी.एल. (1977) :– 'कृषि भूगोल' साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा
* माजिद उसैन :– 'कृषि भूगोल'
* जाट,गुर्जर :– 'मानव भूगोल' पंचशील प्रकाषन, जयपुर
* गुर्जर,आर.के. :– Geographical Perspectives on Irrigation, Rawat, Publications, Jaipur
* जाट,बी.सी. (2004) :– भू–आकृति विज्ञान, रावत पब्लिकेषन्स, जयपुर
* सूरजमान (1982) :– मृदा और जल संरक्षण, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्लीसूरजमान (1995) :– फसलों में जल प्रबन्ध, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
* भाटिया, एस.एस. :– 'पैटर्नस ऑफ क्रोप कन्सट्रेशन एण्ड डाइवर्सीफिकेषन इन इंडिया' इकानामिक ज्योग्राफी, वोल्यूम 41 नं.–1–1995 सक्सैना, शर्मा, के.सी. एम.सी. (1976), ''शस्य विज्ञान के आधुनिक सिद्धान्त'' अनुवाद एवं प्रकाशन निदेशालय, गोविन्द बल्लभ पंत विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तर प्रदेश
* गुप्ता, एन.एल. (1979) राजस्थान में कृषि विकास राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

* सिंह, ब्रहानन्द (1984), ''उत्तर प्रदेश की देवरिया तहसील में कृषि भूमि उपयोग'' अप्रकाशित डी. फिल. शोध प्रबन्ध इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश
* सिंह, छिद्दा (1984), ''रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती एवं शस्य विज्ञान के सिद्धान्त'' भारती, भारत प्रकाशन मेरठ।
* गुर्जर, आर.के. सम्पादित (1992), पर्यावरण प्रबन्धन एवं विकास पोईन्टर पब्लिशर्स, जयपुर
* जलग्रहण विकास बुलेटिन (1994): जलग्रहण विकास एवं मृदा संरक्षण निदेशालय, जयपुर
* कमलेश, संताराम (1996), ''बिलासपुर संभाग में कृषि विकास का स्तर'', प्रकाशित शोध प्रबन्ध। वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
* कुमार, प्रमीला और शर्मा कमल (2000), ''कृषि भूगोल'' मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
* गुर्जर, आर.के, जाट, बी.सी. (2001), पर्यावरण भूगोल पंचशील प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर
* प्रसाद, राजेन्द्र (2002), ''परिवर्तित भूमि उपयोग और भूमि अवनयन की समस्याऐं– साहिबी नदी क्षेत्र'', अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
* श्री चन्द, (2005), ''भरतपुर जिले में सिंचित कृषि विस्तार का एक कृषि भौगोलिक अध्ययन।'' अप्रकाशित शोध प्रबन्ध राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
* सोलंकी, महेन्द्र सिंह (2006), ''उदयपुर जिले में कृषि भूमि उपयोग एवं सिंचाई प्रारूप पर परिवर्तन का प्रभाव'' अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर
* हुसैन, माजिद (2009), ''कृषि भूगोल'' रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर
* हुसैन, माजिद एवं सिंह, रमेश (2010), ''भारत का भूगोल'' टाटा मैकग्रा हिल एजुकेशन प्रा. लि., नई दिल्ली
* तिवारी, आर.सी. एवं सिंह, वी.एन. (2010), ''कृषि भूगोल'', प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद
* Baper, O.E. (1929), "The Incresing Importance of Physical conditions in determining the utilization of land for Agricultural and forest production in the U.S. Annual Association Geogras", Vol. 11P.
- Stamp, L.D. (1938), "Land Utilization" Maps of India 11, Madora Geop. Asso. 13.
- Ganguli, B.N. and Nikhat, H. (1951), "Improved Land use in the Damodar Valley", Calcutta.
- Singh, U. (1955), "A Sample Study in Land Utilization near Sarnath" (Banaras).
- Singh, V.R. (1958), "Land Utilization in the Sonpur (Mirapur)", National Geographical Journal of India.

- Arunachalam, B. (1959), "Land use Land Classification and Possibilities of the Re-planning of Land use in Vanamadevi Vi, Bombay Geographic/Magazine.
- Shafi, M. (1960), "Land Utilization in Eastern", Uttar Pradesh University, Aligarh.
- Chauhan, D.S. (1966), "Studies in Utilization of Agricultural Land", Agra.
- Amani, K.Z. (1966), "Land Utilization in Aligarh District", Geografia.
- Singh, S. (1967), "Land Utilization in Dunai Village Distric Aligarh".
- Ayyir, N.P. and Srivastava, S. (1968), "Land use and Nutrition in Bewas Basin", Grographer.
- Dayal, M. (1968), "The Changing Patterns of India Internation Trades" Economic Geography , Vol. 44, pp 240-269, Rawat Publications, Jaipur & Delhi.
- Duggal, S.L. "The Historical Factor Governing the Land use Patter in Moradabad District".
- Singh Balbir (2000), "Rural Employment and Technological Change in Agriculture Sector – A Case Study of Haryana State.
- Bhattacharya, B. (2000), "Urban Development in India" Published by Mahesh Jain for Shree Publishing Hose 4056, Ajmer Gate, Delhi.
- Singh, R. B., Jefferson Fox, and Yukio Himiyama, eds (2001). Land Use and Cover Change. Enfield, NH: Science Publishers.
- Kumar, P. & Sharma, Kamal (2008), "Agriculture Geography", HIndi Granth Academy, Bhopal (M.P.).
- Kumar, Ravindra (2009): Water Convervation and Management in Arid and semi-arid region of Rajasthan: An effective solution to water crisis, Journal of water and Land use management, vol. 9 No. 1, 2009 page 139-150
- सक्सैना, शर्मा, के.सी. एम.सी. (1976), ''शस्य विज्ञान के आधुनिक सिद्धान्त'' अनुवाद एवं प्रकाशन निदेशालय, गोविन्द बल्लभ पंत विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तर प्रदेश
- गुप्ता, एन.एल. (1979) राजस्थान में कृषि विकास राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
- सिंह, ब्रहानन्द (1984), ''उत्तर प्रदेश की देवरिया तहसील में कृषि भूमि उपयोग'' अप्रकाशित डी. फिल. शोध प्रबन्ध इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश
- सिंह, छिद्दा (1984), ''रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती एवं शस्य विज्ञान के सिद्धान्त'' भारती, भारत प्रकाशन मेरठ।